

ক্লাকশিপ মেন প্রশ্নপত্র ২০১৫

Total Time : 1 Hr

Total Marks : 100

Group A Total Marks - 50

Answer all questions in Group A in English.
Do not mix answers of Group A and Group B



1. Write a report on the following topic with a suitable title. (within 200 words)
Marks - 20
Supply a suitable title. Place : Haldia, Kukrahati, Midnapore. Date : 10th September, 2012. Incident : Boat capsized in the Hoogly--32 feared dead--10 bodies recovered--7 women and 3 children, 10 swam ashore. Cause : Regular ferry service had stopped--boat carrying beyond capacity. Effect : Local people, drivers, police--rescue operation, locals outraged--Highway blocked.
2. Write a précis of the passage :-
Marks - 15
Wealth is a great factor for ensuring the happiness of human life. But it has a tendency to concentrate in the hands of a few with the result that rich became richer and the poor, poorer. The existing conditions of society we find there are classes of people who are rich, well-fed and comfortable, while there are others who are miserable and unhappy. Such differences in economic conditions are mainly due to the maldistribution of wealth in the society. Those who study social science are of opinion that in a capitalist society maldistribution of wealth is inevitable. Hence rises a doubt whether wealth can at all promote human welfare in a capitalist society. In many of the advanced countries of the world the per capita income of the people is much greater than that of our people. But it does not mean that no poor live in those countries or in other words, poverty has been totally eradicated from those countries. Individual fortune matters little in estimating the welfare of a nation. Human welfare, in its proper sense, means greater good of the greatest number.
3. Translate the following passage into English :-
Marks - 15
বিজ্ঞান-পাঠ এখন ছাত্রদের কাছে একটি উন্মাদনা। পাঠক্রম হিসাবে বিজ্ঞানের গুরুত্ব নিয়ে কোনো প্রশ্ন চলে না। বিজ্ঞান-পাঠের সুবিধা ও সম্ভাবনা অনেক। বিজ্ঞান-পাঠ এখন এত জনপ্রিয় যে অধিকাংশ ছাত্র ও তাদের অভিভাবকরা একেই জীবনের চরম লক্ষ্য বলে মনে করে। বিজ্ঞান-পাঠের সুযোগ না পেলে জীবন অর্থহীন মনে করে। উচ্চ-মাধ্যমিক স্তরে বিজ্ঞান-পাঠ করলে তবেই ইঞ্জিনিয়ারিং বা ডাক্তারি পড়ার জন্য পরীক্ষা দেবার যোগ্য বলে বিবেচিত হয়। এই প্রবেশিকা পরীক্ষার প্রস্তুতিতে এত সময় দেয় ছাত্ররা যে দ্বাদশ শ্রেণীর পাঠ অবহেলিত হয়। এর ফলে উচ্চ-মাধ্যমিক পরীক্ষায় কেউ কেউ অকৃতকার্য হয়। হতাশায় তারা তখন আত্মহত্যার পথ বেছে নেয় কখনো কখনো। শিক্ষক ও অভিভাবকদের উচিত ছাত্রদের ঠিক ভাবে ভাবতে শেখানো।

विज्ञान का अध्ययन अभी छात्रों के प्रति एक उन्माद बना हुआ है। पाठ्यक्रम में विज्ञान के महत्व को नकारा नहीं जा सकता है। विज्ञान के अध्ययन में सुविधा और सम्भावना है। विज्ञान के पठन - पाठन को ही छात्र एवं अभिभावक जीवन का चरम लक्ष्य मान लेते हैं। विज्ञान का अध्ययन करने का सुअवसर नहीं प्राप्त होने पर जीवन अर्थहीन मान लिया जाता है। उच्च-माध्यमिक स्तर पर विज्ञान का अध्ययन करने पर ही डाक्टरी एवं इंजिनियरिंग में पढ़ने का सुअवसर प्राप्त होता है। इसकी प्रवेश-परीक्षा की तैयारी में छात्र इतना व्यस्त हो जाता है कि वो उच्च-माध्यमिक के पाठ्यक्रम पर ध्यान ही नहीं देता। इसी कारण उच्च-माध्यमिक की परीक्षा में कोई-कोई असफल रह जाता है। निराश हो कर वे कभी-कभी आत्महत्या का पथ चुन लेते हैं। शिक्षक और अभिभावक को ठीक ढंग से छात्रों को समझाना चाहिए।

مندرجہ ذیل عبارت کا ترجمہ انگریزی میں کیجئے:

طالب علموں میں سائنسی تعلیم کا بہت ہی بڑھتا ہوا رجحان ہے۔ سائنسی تعلیم کو لے کر اس کی اہمیت پر کوئی سوال پیدا نہیں ہوتا ہے۔ سائنس کے شعبے میں زیادہ وسعت ہوتی ہے۔ سائنس شعبہ آج اتنا مشہور ہے کہ زیادہ تر گارجین اسی کو زندگی کا کامیاب ضامن مانتے ہیں۔ وہ سائنس شعبے کو حاصل نہ کرنے پر زندگی کو بیکار مانتے ہیں۔ ہائر سکندری کے معیار پر سائنس اسٹریم نہ ہونے پر ہی ڈاکٹری اور انجینئرنگ کے امتحانات میں بیٹھ نہیں سکتے ہیں۔ یہ مقابلہ جاتی امتحان کی تیاری میں سائنس کی کتابیں زیادہ پڑھتے ہیں۔ اس لئے باقی دوسری چیزیں نظر انداز ہو جاتی ہیں۔ جس کی وجہ سے ہائر سکندری امتحان میں کچھ لڑکے ناکام ہو جاتے ہیں۔ کبھی کبھی مایوسی میں خودکشی بھی کر لیتے ہیں۔ استاد اور گارجین کو چاہیے کہ وہ ٹھیک طرح سے اسے غور و فکر کی طرف راغب کریں۔

विज्ञानको पढाई अहिले विद्यार्थीहरूको निम्ति एउटा पागलपन भएको छ। पाठ्यक्रमको रूपमा विज्ञानको महत्वलाई नकार्न सकिँदैन। विज्ञान-पढाईको सुविधा र सम्भावना घेरै छन्। विज्ञानको पढाई अहिलेघरि यति जनप्रिय भईसकेको छ कि घेरै विद्यार्थीहरू र तिनीहरूको अभिभावकहरू यसलाई जीवनको अन्तिम लक्ष्य भनी ठान्दछन्। विज्ञान पढने मौका नपाएको खण्डमा तिनीहरू जीवन अर्थहीन भनी ठान्छन्। उच्च-माध्यमिक स्तरमा विज्ञान लिएर पढ्यो भने मात्र इन्जिनियरिङ अथवा डाक्टरी पढनको निम्ति परीक्षा दिन-योग्य ठानिन्छ। यो प्रवेशिका परीक्षाको तैयारीमा यति समय छात्रहरू दिन्छन् कि बाह्रौं कक्षाको पढाई अवहेलित हुन्छ। यसैको फलस्वरूप उच्च-माध्यमिक परीक्षामा कोही कोही असफल हुन्छन्। हताशामा कहिले काहीं तिनीहरूले आत्महत्याको बाटो पनि रोज्छन्। शिक्षक र अभिभावकहरूले विद्यार्थीहरूलाई सठीक रूपले सौँचन सिकाउनपर्छ।

Group-B Total Marks - 50

Answer all questions of Group B in Bengali/Hindi/Nepali/Urdu language as selected in application form.

Do not mix answers of Group A and Group B

1. Translate the following passage into Bengali/ Hindi/ Urdu/ Nepali. **Marks- 15**
In Indian economy agriculture is a major source of national income. Till 1950 it contributed more than 50 percent to the national income. Even then agriculture all along continued to be neglected both by government and financial institutions. In the past, major financial institutions i.e. banks in India were controlled by capitalists, industrialists and traders. Those who controlled the banks were interested in their own welfare. The banks were concentrated only in big cities and commercial and industrial centres.

2. Write a report within 200 words on the following topic from the points given (within 200 words) **Marks - 20**

কলিকাতার হকারদের উপযুক্ত পুনর্বাসনের প্রয়োজনীয়তা নিয়ে একটি প্রতিবেদন রচনা করুন। এই প্রসঙ্গে কলিকাতার ফুটপাথ ও রেলস্টেশনগুলির উল্লেখ প্রয়োজন। এই সূত্রগুলি নিয়ে প্রতিবেদন লিখতে হবে -
১) কলিকাতার বিভিন্ন রাস্তাঘাটের অবস্থা। ২) পথচারীদের সমস্যা। ৩) রেলস্টেশন সংলগ্ন স্থানগুলির অবস্থা। ৪) এই প্রসঙ্গে হকারদের অর্থনৈতিক সমস্যা। ৫) উপযুক্ত অর্থনীতিবিদ ও পরিকল্পনাবিদের সাহায্যে এই সমস্যা সমাধানের জন্য যথাযথ আন্তরিক প্রয়াস।

शहर कोलकाता के हॉकर्स को नये सिरे से नये और उचित स्थान देने को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित संकेतों की सहायता से एक प्रतिवेदन लिखिये। १. कोलकाता की विभिन्न सड़कों की परस्थिति की समीक्षा, २. पदयात्रियों की समस्याएँ, ३. रेलवे स्टेशन की निकटवर्ती सड़कों की प्रस्थिति, ४. इसी संदर्भ में हॉकर्स की आय की समस्याएँ, ५. आर्थिकविद और कार्यक्रम तैयार करने वाले विशेषज्ञियों की सहायता से उन समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से उचित कार्यक्रम तैयार करना।

کو لکاتا کے ہاکروں کو نئے سرے سے نئی اور مناسب جگہ کی فراہمی کو ملحوظ رکھتے ہوئے مندرجہ ذیل نکات کی مدد سے ایک رپورٹ پیش کیجئے: ۱۔ کو لکاتا کے مختلف راستوں کے حالات کا جائزہ۔ ۲۔ پیدل چلنے والے مسافروں کے مسائل۔ ۳۔ ریلوے اسٹیشن کے قریب راستوں کی حالت۔ ۴۔ اس تناظر میں ہاکروں کی آمدنی کے مسائل۔ ۵۔ ماہر معاشیات اور ماہر لائحہ عمل تیار کرنے والوں کی مدد سے ان مسائل کے حل کے لئے مناسب لائحہ عمل تیار کرنا۔

कलकत्ताको फेरीवालाहरूको सठीक पुनर्वासको आवश्यकतामाथि निम्नलिखित संकेतहरूको आधारमा एउटा प्रतिवेदन रचना गर्नुहोस्। यस प्रसंगमा कलकत्ताको फुटपाथ औ रेल स्टेशनहरूको उल्लेख आवश्यक छ। कलकत्ताको विभिन्न बाटोघाटोको अवस्था - पैदल यात्रीहरूको समस्या - रेल स्टेशनको छेउछाउको स्थानहरूको अवस्था - यस प्रसंगमा फेरीवालाहरूको अर्थनैतिक समस्या - सठीक अर्थनीतिविद् औ योजना आदिको सहायताले यो समस्याको समाधान तर्फ आन्तरिक प्रयास।

3. Write a précis of any of the following passage with a suitable title :

Marks -15

সারসংক্ষেপ করে: গ্রন্থপাঠ আমাদের মহত্তর সুন্দরতর জীবন-রচনার অপরিহার্য অঙ্গ। আমাদের দেশে কেবলমাত্র পরীক্ষা বৈতরণী উত্তরণের জন্যে মরণকালে হরিনামের মতো গ্রন্থপাঠের রীতি পরিলক্ষিত হয়। এখানে পরীক্ষায় উত্তরণ ও কর্মপ্রাপ্তিই একমাত্র পরমার্থ। নিছক আনন্দলাভের জন্য কেউ গ্রন্থপাঠ করে না। পুস্তককে যারা উদরপূর্তির উপায় হিসাবে গণ্য করে, তারা সরস্বতীর হাঁসের কাছে সোনার ডিমই প্রত্যাশা করে; তাদের কাছে জ্ঞানের অমলতা কিংবা অনাবিল আনন্দের কোন মূল্যই নেই। তাই মনস্বী লেখক প্রমথ চৌধুরী বলেন - "যে জাতির জ্ঞানের ভাণ্ডার শূন্য সে জাতির ধনের ভাণ্ডেও ভবানী।" জ্ঞান মানুষের জীবনে পূর্ণতা এনে দেয়, তাকে অনাবিল ভাবলোকের জ্ঞানলোকের আলোর ঠিকানা দেয় - মানুষকে প্রকৃত মানুষ করে। গ্রন্থই তাকে গতানুগতিক ক্লাস্তিকর জীবনে বৈচিত্রের স্বাদ দান করে, তাকে মৃত্যুময় দৈনন্দিন জীবনে দেয় অমৃতলোকের সন্ধান, তার বিষাদ-মলিন মরুময় জীবনকে অনাবিল আনন্দের রসে সিঁজ করে তাকে দেয় নবজীবনের ঠিকানা।

निम्नलिखित लेख का सारांश अपनी भाषा में लिखिये:- हमारे जीवन को सुन्दर बनाने के लिए पुस्तक पढ़ना अति आवश्यक है। हमारे देश में परीक्षा आने पर मरता क्या न करता की भाँति लोग अधिक पुस्तकें पढ़ने लग जाते हैं। यहाँ केवल परीक्षा में उत्तीर्ण होने और नौकरी प्राप्त करने के लिए पुस्तकें पढ़ी जाती हैं। केवल स्वाद एवं आनंद प्राप्त करने के लिए कोई पुस्तकें नहीं पढ़ता। यहाँ जो व्यक्ति पुस्तक को नौकरी प्राप्त करने का साधन समझते हैं, वे सरस्वती के हँस से स्वर्ण अंडा प्राप्त करने का सपना देखते हैं। उनके निकट अधिक ज्ञान का कोई महत्व नहीं होता, इसी कारण प्रतिभावान लेखक परोमोथो चौधरी कहते हैं- "जिन व्यक्तियों के पास ज्ञान भंडार का घोर अभाव है। ज्ञान मनुष्य के जीवन को सम्पूर्ण करता है। यह चिन्ता और भावनाओं की तट में प्रकाश पहुँचाता है। मनुष्य को एक सम्पूर्ण मनुष्य बनाता है। पुस्तक ही उनको साधारण पारम्परिक जीवन से हट कर विभिन्न प्रकार की जानकारी देती है एवं ऐसी वस्तुओं की गवेषणा करती है कि जिसके ज्ञान से लोग सदा के लिए अमर हो जाते हैं। यह कष्टकर एवं शुष्क जीवन को अति परिष्कार एवं परिछिन्ह आनन्द की वर्षा से जीवन के गन्तव्य का पता देती है।"

تفصیل کیجئے: ہماری زندگی کو بہتر اور خوبصورت بنانے کے لئے کتاب پڑھنا بہت ضروری ہے۔ ہمارے ملک میں امتحان کے قریب آنے پر مرنا کیانہ کرتا کے مصداق لوگ زیادہ کتابیں پڑھتے ہیں۔ یہاں صرف امتحان پاس کرنا اور نوکری حاصل کرنے کے لئے کتاب پڑھتے ہیں۔ صرف مزہ یا حظ حاصل کرنے کے لئے کوئی کتاب نہیں پڑھتا۔ یہاں جو لوگ کتاب کو نوکری کا ذریعہ سمجھتے ہیں وہ سرسوتی کے ہنس سے سنہرے انڈے کا خواب دیکھتے ہیں۔ ان کے پاس زیادہ نالج کی کوئی اہمیت نہیں ہے، اس لئے ذہین رائٹر پر موتھو چودھری کہتے ہیں: "جن ذاتوں کے پاس نالج کے بھنڈار کی بالکل کمی ہے ان کے پاس دولت کی بھی کمی ہے۔ نالج انسان کی زندگی کو مکمل کرتی ہے۔ یہ سوچ و فکر اور نالج کی تہوں کو روشنی عطا کرتی ہے۔ انسان کو مکمل انسان بناتا ہے۔ کتاب ہی ان کو عام روایتی زندگی سے ہٹ کر مختلف اقسام سے واقفیت کراتی ہے اور ایسی چیزوں کی تحقیق کراتا ہے کہ جس کی واقفیت سے لوگ ہمیشہ کے لئے امر ہو جاتے ہیں۔ یہ تکلیف دہ خشک زندگی کو بالکل صاف و شفاف خوشی کی بارش سے زندگی کی نئی منزل کا پتہ دیتی ہے۔"

सारांश लेखुहोस: ग्रन्थ पाठ हाम्रो महान सुन्दर जीवन रचनामा नभई नहुने एउटा अंग हो। हाम्रो देशमा परीक्षा नामक वैतर्णी पार गर्नको निमित्त मरणकालमा हरी नाम जपे झैं ग्रन्थपाठको रीति छ। यहाँ परीक्षामा सफल हुने औ कर्म प्राप्ति नै एकमात्र उद्देश्य छ। केवल मात्र आनन्द लाभको निमित्त कसैले पनि ग्रन्थ पाठ गर्दैनन्। पुस्तकलाई जसले पेट भर्नेको साधनको रूपमा गन्छन्, तिनीहरू सरस्वतीको हँसको समक्ष सुनको अंडाको आशा गर्छन्; तिनीहरूको निमित्त ज्ञानको चहकिलो औ निर्मल आनन्दको कुनै मूल्य छैन। त्यसैले विद्वान लेखक प्रमथ चौधरीले भन्नुहुन्छ- 'जुन जातिको ज्ञानको भंडार शुन्य छ, त्यो जातिको धनको भंडार पनि खालि हुन्छ। ज्ञानले मानिसको जीवनमा पूर्णता ल्याउँदछ औ निर्मल भावको ज्ञानलोकको ठेगाना दिँदछ -मानिसलाई वास्तव रूपमा मानिस बनाउँछ। ग्रन्थले नै उसको नीरस क्लान्तिमय जीवनमा विविधताको स्वाद प्रदान गर्दछ, उसको मृत्युमय दैनिक जीवनमा अमृत लोकको खोज दिँदछ, उसको दुःखी मृत्युमय मलिन जीवनलाई निर्मल आनन्दको रसमा भिजाएर उसलाई नव जीवनको ठेगाना दिँदछ।'